

**उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत कला वर्ग के विद्यार्थियों में
स्मार्टफोन के अत्यधिक प्रयोग के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर
पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन**

डॉ. अंजना सोनकर**

असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा प्रशिक्षण विभाग,
आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम महिला
महाविद्यालय हर्षनगर, कानपुर

शोध छात्रा - अर्चना वर्मा*

शोध केन्द्र - आचार्य नरेन्द्र देव
नगर निगम महिला
महाविद्यालय हर्ष नगर कानपुर

सार

वर्तमान समय में स्मार्टफोन शिक्षा का एक सशक्त साधन बन गया है। इसके प्रयोग से शिक्षा अत्यंत सरल सुगम तथा रोचक बन गयी है, किन्तु इसका अत्यधिक प्रयोग विद्यार्थियों के लिए एक गम्भीर समस्या बनकर भी उभरा है। इसी संदर्भ को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध प्रस्तुत शोध का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए छात्र/छात्राओं का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया है, जिसमें कानपुर नगर के उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत 200 छात्र एवं छात्राओं को सम्मिलित किया गया है। आँकड़ों का संकलन करने के लिए स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों का विश्लेषण, मध्यमान, मानक विचलन एवं टी अनुपात सांख्यिकीय विधियों द्वारा किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में लिंग आधार पर कोई सार्थक भिन्नता नहीं है, किन्तु स्मार्टफोन का सामान्य और अत्यधिक प्रयोग के आधार पर छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में भिन्नता पायी गयी है।

प्रस्तावना

वर्तमान समय सूचना और संचार का युग है। विज्ञान और तकनीकी ने मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। आज स्मार्टफोन एक तकनीकी उपकरण बन गया है। लगभग यह प्रत्येक विद्यार्थी के पास उपलब्ध भी है। स्मार्टफोन के द्वारा विद्यार्थी अध्ययन सामग्री प्राप्त करते, नोट्स

डाउनलोड करते, ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेते तथा विभिन्न शैक्षिक प्लेटफार्म का भी उपयोग करते हैं जिससे उनकी अधिगम आवश्यकताओं की पूर्ति भलि भॉति हो रही है परन्तु विद्यार्थियों का एक बड़ा वर्ग स्मार्टफोन का उपयोग तो कर रहा है किन्तु इसके सही और संतुलित उपयोग की जानकारी बहुत कम विद्यार्थियों को है। इसमें विशेषकर उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी सम्मिलित हैं। यह स्तर शिक्षा का एक महत्वपूर्ण चरण होता है क्योंकि इस स्तर पर ही विद्यार्थी अपने करियर का आधार तैयार करते हैं। विशेषकर कला वर्ग के विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, विषयों को समझने के लिए निरंतर शैक्षिक चिंतन मनन और विश्लेषण की अधिक आवश्यकता होती है। यदि विद्यार्थी अपना अधिक समय सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम, वीडियो देखने या अन्य मनोरंजनात्मक गतिविधियों में व्यतीत करते हैं तो उनके अध्ययन समय में कमी आती है। वे तनाव अनिद्रा, सांवेगिक अस्थिरता, कुसमायोजन तथा अन्य प्रकार समस्याओं से भी ग्रसित हो सकते हैं। इस प्रकार स्मार्टफोन के अनावश्यक अत्यधिक प्रयोग से विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दूसरी ओर अगर स्मार्टफोन का उपयोग संतुलित और शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने की लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाये तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर अभूतपूर्व सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। इन्ही तथ्यों को ध्यान में रखते हुए शोधकर्त्री ने “उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् कला वर्ग के विद्यार्थियों में स्मार्टफोन के अत्यधिक प्रयोग के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन” समस्या का चयन किया है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

स्मार्टफोन वह बहुउद्योगी यंत्र है जिसके आकर्षण से माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी भी दूर नहीं रह पाये हैं। इसका प्रयोग विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करने के लिए कम बल्कि संगीत सुनने, रील्स देखने, गेम खेलने, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर चैटिंग करने के लिए अधिक करते हैं। इससे विद्यार्थियों का समय तो व्यर्थ होता ही है साथ ही उन्हें स्मार्टफोन की आदत भी होती जा रही है। स्मार्टफोन अगर उन्हें सुलभ नहीं होता है तो वे चिंतित और परेशान हो उठते हैं। इसलिए माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों को स्मार्टफोन की कितनी आवश्यकता है? वे इसका कितना सदुपयोग कितना दुरुपयोग कर रहे हैं? इससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? यह प्रभाव किस प्रकार का है? यह जानने के लिए शोधकर्त्री को उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् कला वर्ग के विद्यार्थियों में स्मार्टफोन के अत्यधिक प्रयोग के कारण उनकी

शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने की आवश्यकता महसूस हुई है।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

1. सिंह महेन्द्र, डा0 विष्णु भाई डी तथा अन्य ने स्मार्टफोन के उपयोग से बच्चों की शारीरिक गतिशीलता, शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षिक और सामाजिक स्तर पर प्रभाव का अध्ययन किया और निष्कर्ष में पाया कि विद्यार्थियों का अधिकांश समय (6 से 10 घण्टे) स्मार्टफोन पर व्यतीत होता है तथा स्मार्टफोन का मुख्य उपयोग मनोरंजन है, अध्ययन द्वितीय स्थान पर है।
2. परवीन रेशमा (2021) ने किशोरावस्था के मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग एवं प्रभाव का अध्ययन से प्राप्त तथ्यों से ज्ञात हुआ कि अधिकांश किशोर किशोरियों पर मोबाइल फोन का सकारात्मक प्रभाव नकारात्मक प्रभाव से अधिक है। शैक्षिक रूप से विद्यार्थियों की पढ़ाई में सहायक सिद्ध हुआ है।
3. सोनी शशिप्रभा (2024) ने छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन किया तथा निष्कर्ष में पाया कि सोशल मीडिया का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ते हैं।

समस्या कथन

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत कला वर्ग के विद्यार्थियों में स्मार्टफोन के अत्यधिक प्रयोग के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

शोध समस्या में प्रयुक्त प्रत्ययों परिभाषीकरण

उच्च माध्यमिक स्तर

प्रस्तुत शोध में उच्च माध्यमिक स्तर से तात्पर्य कक्षा 12 की शिक्षा से है।

कला वर्ग

मानविक विषयों जैसे इतिहास, भूगोल, नागरिकशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र इत्यादि का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को कला वर्ग में रखते हैं।

स्मार्टफोन

स्मार्टफोन एक बड़ी टच स्क्रीन वाला फोन होता है जिसमें कम्प्यूटर जैसी उच्च स्तरीय क्षमताओं, फीचर एवं सुपरिभाषित आपरेंटिंग सिस्टम होता है और इनकी कम्प्यूटरिंग क्षमता एवं कनेक्टिविटी भी अच्छी होती है।

अत्यधिक प्रयोग

प्रस्तुत अध्ययन में स्मार्टफोन के प्रयोग का स्तरीकरण प्रबुद्ध शोध निर्देशिका डा० अंजना सोनकर की राय के आधार पर किया गया है। 4 घण्टे से अधिक स्मार्टफोन का प्रयोग, उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् कला वर्ग के छात्र/छात्राओं के लिए अत्यधिक प्रयोग है।

शैक्षिक उपलब्धि

शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य विद्यार्थियों द्वारा सफलता के स्तर का वह मूल्यांकन है जो विद्यार्थियों को शैक्षिक निर्देशों को समझने के प्रयास एवं उनके स्तर व आयु के अनुसार निर्धारित पाठ्यक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति से है जिसका परिणाम उन्हे वार्षिक परीक्षा के निष्पत्ति प्रमाण पत्र में मिलता है।

शोध के उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्रों ही पहचान करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग की स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राओं ही पहचान करना।
3. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के छात्रों में स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
4. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग की स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
5. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
6. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग की में स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
7. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध परिकल्पनाएँ

1. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया जाएगा।
2. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग की स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया जायेगा।
3. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के छात्र/छात्राओं में स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया जाएगा।
4. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया जाएगा।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या

कानपुर जिले के यू0पी0 बोर्ड के उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) के सत्र 2025-26 में अध्ययनरत् कला वर्ग के छात्र/छात्राएँ इस लघु शोध की जनसंख्या है।

न्यादर्श

न्यादर्श के रूप में कानपुर नगर के यू0पी0 बोर्ड के 10 विद्यालयों से उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) के 200 छात्र/छात्राओं का चयन किया गया है।

सारणी

क्रम संख्या	विद्यालयों का नाम	कलावर्ग के छात्र	कलावर्ग की छात्राएँ	कुल संख्या
1	बी. आर. एस. इण्टर कालेज कर्ही	10	10	20
2	शिवाजी इण्टर कालेज केशव नगर	10	10	20
3	आर्यभट्ट इण्टर कालेज दामोदर नगर	10	10	20
4	चाचा नेहरू स्मारक इण्टर कालेज बर्गा-6	10	10	20
5	सरदार पटेल इण्टर कालेज जरौली फेस-2	10	10	20
6	कामद सरस्वती इण्टर कालेज बर्गा	10	10	20
7	विवेकानन्द इण्टर कालेज बर्गा	10	10	20
8	श्री मुनि हिन्दू इण्टर कालेज गोविन्द नगर	10	10	20
9	सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज श्याम नगर	10	10	20
10	बी. एन. एस. डी. इण्टर कालेज बेनाझाबर रोड	10	10	20
कुल योग		100	100	200

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है।

शोध सीमांकन

प्रस्तुत शोध कार्य कानपुर नगर में यू0पी0 बोर्ड द्वारा संचालित उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के विद्यार्थियों तक ही सीमित है।

साँख्यिकीय प्रविधियाँ

प्राप्त तथ्यों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण करने के लिए मध्यमान, मानक विचलन तथा टी परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव की तुलना

सारणी-1

विद्यार्थी वर्ग	N	M	SD	SED	t-Value	सार्थकता
सामान्य प्रयोग करने वाले छात्र	50	51.2	6.82	1.41	7.51	सार्थक
अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र	50	40.6	7.27			

सारणी 1 से स्पष्ट है कि स्मार्टफोन का सामान्य प्रयोग करने वाले छात्रों का मध्यमान 51.2 तथा प्रमाणिक विचलन 6.82 प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्रों का मध्यमान 40.6 तथा प्रमाणिक विचलन 7.27 प्राप्त हुआ। दोनों समूह की मानक त्रुटि 1.41 है तथा प्राप्त t मान 7.51 है जो 0.01 स्तर पर सार्थक है। इसका अर्थ यह हुआ कि स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाला प्रभाव नकारात्मक है।

अतः शोध परिकल्पना 1 उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया जाएगा स्वीकृत होती है।

स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव की तुलना

सारणी-2

विद्यार्थी वर्ग	N	M	SD	SED	t-Value	सार्थकता
सामान्य प्रयोग करने वाली छात्राएँ	50	48	6	1.41	4.26	सार्थक
अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राएँ	50	42	8			

सारणी 2 से स्पष्ट है कि स्मार्टफोन का सामान्य प्रयोग करने वाली छात्राओं का मध्यमान 48 तथा प्रमाणिक विचलन 6 प्राप्त हुआ है इसी प्रकार स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राओं का मध्यमान 42 तथा प्रमाणिक विचलन 8 प्राप्त हुआ है। दोनों समूह की मानक त्रुटि 1.41 है तथा प्राप्त t मान 4.26 है। यह मान 0.01 स्तर पर सार्थक है। इसका अर्थ है कि स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाला प्रभाव नकारात्मक है।

अतः शोध परिकल्पना 2 उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत कला वर्ग की स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया जाएगा स्वीकृत होती है।

स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव की तुलना।

सारणी-3

विद्यार्थी वर्ग	N	M	SD	SED	t-Value	सार्थकता
अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र	50	45	10	1.90	1.05	असार्थक
अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राएँ	50	47	9			

सारणी 3 से स्पष्ट है कि स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्रों का मध्यमान 45 तथा प्रमाणिक विचलन 10 प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राओं का मध्यमान 47 तथा प्रमाणिक विचलन 9 प्राप्त हुआ है। दोनों समूह की मानक त्रुटि 1.90 है तथा t मान 1.05 है। यह मान 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है। इसका अर्थ है कि स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

अतः शोध परिकल्पना 3 उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत कला वर्ग के छात्र/छात्राओं में स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया जाएगा अस्वीकृत होती है।

स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव की तुलना।

सारणी-4

विद्यार्थी वर्ग	N	M	SD	SED	t-Value	सार्थकता
सामान्य प्रयोग करने वाले छात्र एवं छात्राएँ	100	68	8	1.28	6.25	सार्थक
अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्र एवं छात्राएँ	100	60	10			

सारणी 4 से स्पष्ट है कि स्मार्टफोन का सामान्य प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं का मध्यमान 68 तथा प्रमाणिक विचलन 8 प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं का मध्यमान 60 तथा प्रमाणिक विचलन 10 प्राप्त हुआ है। दोनों समूह ही मानक त्रुटि 1.28 है तथा t मान 6.25 है। यह मान 0.01 स्तर पर सार्थक है। इसका अर्थ है कि स्मार्टफोन का सामान्य प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि, स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं से बेहतर है। अतः दोनों समूहों में पाया गया अंतर सार्थक है।

अतः शोध परिकल्पना 4 उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया जाएगा स्वीकृत होती है।

शोध निष्कर्ष

1. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया गया है। अतः शोध परिकल्पना संख्या-1 स्वीकृत होती है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग की स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया गया है। अतः शोध परिकल्पना संख्या-2 स्वीकृत होती है।
3. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के छात्र/छात्राओं में स्मार्टफोन का अत्यधिक प्रयोग करने के कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। अतः शोध परिकल्पना संख्या-3 अस्वीकृत होती है।

4. उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा-12) में अध्ययनरत् कला वर्ग के स्मार्टफोन का सामान्य एवं अत्यधिक प्रयोग करने वाले छात्र/छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर पाया गया है। अतः शोध परिकल्पना संख्या-4 स्वीकृत होती है।

सन्दर्भ

1. गुप्ता एस0पी0 (2007) "आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन", इलाहाबाद: शारदा नगर भवन, पृष्ठ: 571
2. गुप्ता एस0पी0 तथा गुप्ता अल्का (2004) "उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान", इलाहाबाद: शारदा पुस्तक भवन, पृष्ठ: 597?
3. नरुका संतोष (2009), सोशल मीडिया का अकादमिक महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के नैतिक व सामाजिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, राजस्थान: डिपार्टमेंट इन एजुकेशन, यूनीवर्सिटी ऑफ राजस्थान।
4. राय, पारसनाथ सी0वी0 (2011): अनुसंधान परिचय, आगरा: लक्ष्मी नारायण अग्रवाल
5. सारस्वत, मालती, गौतम, एस0एल0 भारतीय शिक्षा का विकास एवं सामाजिक समस्याएँ, लखनऊ: आलोक प्रकाशन, 177/46 (क) एफ0एफ0 प्लाजा, फल्लन की लाट, गुईन रोड अमीनाबाद।
6. <https://www.Ijcrt.org>
7. <https://theacademic.in>